

होम्योपैथी से असाध्य रोगों का इलाज संभव : डा. निकम

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में 'होम्योपैथी चिकित्सा और उपचार के विभिन्न आयाम' विषय पर कार्यशाला हुई।

नगर संवाददाता, भोपाल
होम्योपैथी चिकित्सा में असाध्य रोगों का इलाज संभव है। कुछ ऐसे असाध्य रोग जिसे अमेरिका के चिकित्सकों ने भी मरीजों को साफ तौर पर ठीक करने से मना कर दिया था। उनका भी होम्योपैथिक पद्धति से इलाज कर ठीक किया गया। यह बात डा. अनिल सिंह निकम ने सोमवार का बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में 'होम्योपैथी चिकित्सा और उपचार के विभिन्न आयाम' विषय पर आयोजित कार्यशाला में कही।

डा. निकम ने कहा कि असाध्य रोग जैसे कैंसर, ब्रेन ट्यूमर का

होम्योपैथी पद्धति से सफल इलाज किया जा सकता है। उन्होंने इस बारे में अपने संस्मरण सुनाए।

इसके पूर्व समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. गौतम ज्ञानेंद्र ने कहा कि जिस मानवीय संवेदना और आवश्यकता को ध्यान रखकर डा. निकम ने असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों को ठीक किया है, वह प्रशंसनीय है।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. संजय तिवारी ने कहा कि होम्योपैथी विज्ञान है और अगर विश्वास के साथ इसे अपनाया जाए, तो लाइलाज रोगों का इलाज संभव है।

भोपाल, 30 अक्टूबर, 2007

होम्योपैथी पर कार्यशाला

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में होम्योपैथी चिकित्सा एवं उपचार के विभिन्न आयाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विख्यात होम्योपैथ डॉ. अमर सिंह निकम ने इस मौके पर कहा कि होम्योपैथी में कैंसर, लकवा, ब्रेन ट्यूमर जैसे असाध्य रोगों का भी इलाज संभव है। इस मौके पर कुलपति प्रो. पीके मिश्रा विशेष रूप से मौजूद थे। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजय तिवारी ने इस मौके पर कहा कि होम्योपैथी एक विज्ञान है।